No. of Printed Pages : 4

MGP-004

M.A. IN GANDHI AND PEACE STUDIES

Term-End Examination

03578

June, 2015

MGP-004 : GANDHI'S POLITICAL THOUGHT

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any* ***five*** *questions in about 500 words each. Attempt at least* ***two*** *questions from each section. All questions carry equal marks.*

SECTION I

1. Analyse Gandhi's critique of the process of industrialisation.

2. To Gandhi, *Satyagraha* is inextricably linked with his notion of *Swaraj*. Explain.

3. Examine Gandhi's views on the importance of 'ends' and 'means' in the resolution of conflicts.

4. According to Gandhi, economic equality is the 'master key' to non-violent independence. Discuss.

5. Write a note on Gandhi's concept of '*ahimsa*'.

SECTION II

6. According to Gandhi, centralised power and authority results in corruption and so he underlines the need for devolution of power. Discuss its relevance to contemporary times.

7. Examine the crucial links between Fascism and Racialism.

8. Explain the term : 'Structural violence' and Gandhi's views on preventing it.

9. Write a note on Gandhi's concept of '*Satyagraha*' as a tool of conflict resolution.

10. Describe the main elements of Gandhian pacifism.

एम.ए. (गाँधी और शांति अध्ययन)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2015

एम.जी.पी.-004 : गाँधी का राजनीतिक चिंतन

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए । प्रत्येक भाग में से कम-से-कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

भाग I

1. औद्योगीकरण की प्रक्रिया के सम्बन्ध में गाँधी की आलोचना का विश्लेषण कीजिए ।

2. गाँधी के लिए उनकी *स्वराज* की अवधारणा के साथ *सत्याग्रह* विशिष्ट रूप से संबद्ध है । स्पष्ट कीजिए ।

3. संघर्ष के समाधान में 'साध्य' और 'साधनों' के महत्त्व पर गाँधी के विचारों की समीक्षा कीजिए ।

4. गाँधी के अनुसार आर्थिक समानता अहिंसक आत्मनिर्भरता की 'प्रमुख चाबी' है । चर्चा कीजिए ।

5. गाँधी की '*अहिंसा*' की संकल्पना पर टिप्पणी लिखिए ।

भाग II

6. गाँधी के अनुसार शक्ति और प्राधिकार के केन्द्रीयकृत होने के परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार बढ़ता है और इसलिए उन्होंने शक्ति को विकेन्द्रीय करने की आवश्यकता को रेखांकित किया है । समकालीन समय में इसकी प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए ।

7. फ़ासीवाद और नस्लवाद के बीच विशिष्ट सम्बन्धों की समीक्षा कीजिए ।

8. 'संरचनात्मक हिंसा' शब्द और इसकी रोकथाम पर गाँधी के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

9. संघर्ष समाधान के एक उपाय के रूप में गाँधी की '*सत्याग्रह*' की संकल्पना पर एक टिप्पणी लिखिए ।

10. गाँधीवादी शांतिवाद के मुख्य तत्त्वों का वर्णन कीजिए ।